भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 4227
दिनांक 19 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न

कृषि के लिए देसी गायें

4227. श्री मड्डीला गुरुमूर्तिः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि कृषि स्तर पर देसी (स्वदेशी) गायों की उपलब्धता बहुत कम है जिससे किसानों द्वारा प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने में बाधा आ रही है;

(ख) यदि हाँ, तो आंध्र प्रदेश सहित देश में देसी गायों की नस्लों के संरक्षण, संवर्धन और जनसंख्या में वृद्धि के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या कृषि उद्देश्यों के लिए देसी गायों के पालन हेतु किसानों के लिए कोई समर्पित योजना या प्रोत्साहन है;

(घ) यदि हाँ, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान ऐसी योजनाओं का ब्यौरा क्या है और लाभार्थियों की संख्या कितनी है; और

(ङ) यदि नहीं, तो क्या सरकार की सतत और प्राकृतिक कृषि प्रणालियों में देसी गायों की भूमिका को मजबूत करने के लिए कोई नई पहल शुरू करने की कोई योजना है?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) से (ङ) जी नहीं। 20वीं पशुधन संगणना, 2019 के अनुसार देश में 193.46 मिलियन गोपशु हैं और इसमें से 142.11 मिलियन देशी और नॉन-डिस्क्रिप्ट गोपशु हैं, जो देश की कुल गोपशु आबादी का 73.45% है।

देशी बोवाइन नस्लों के संरक्षण, संवर्धन और संख्या में वृद्धि संबंधी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र द्वारा किए गए प्रयासों को अनुपूरित और संपूरित करने के लिए भारत सरकार देशी नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाइन पशुओं के आनुवंशिक उन्नयन और बोवाइन पशुओं के दूध उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) को कार्यान्वित कर रही है। इस योजना के तहत आंध्र प्रदेश की देशी नस्लों सहित सभी देशी बोवाइन नस्लों को शामिल किया गया है। इस योजना के तहत निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:

(i) देशी नस्लों के सांडों सहित उच्च गुणता वाले सांडों के सीमन का उपयोग करके राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (NAIP) का कार्यान्वयन। इस घटक के अंतर्गत 50% से कम कृत्रिम गर्भाधान कवरेज वाले जिलों में किसानों के द्वार पर कृत्रिम गर्भाधान (AI) सेवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। पिछले 3 वर्षों के दौरान 4.92 करोड़ पशुओं को कवर किया गया, 8.55 करोड़ पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान किया गया और 2.78 करोड़ किसान लाभान्वित हुए। वर्तमान में एनएआईपी आंध्र प्रदेश के 26 जिलों में कार्यान्वित है और पिछले तीन वर्षों के दौरान 45.36 लाख पशुओं को कवर किया गया है, 91.61 लाख

कृत्रिम गर्भाधान किए गए हैं और 18.52 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। पिछले तीन वर्षों के दौरान लाभान्वित लाभार्थियों का राज्यवार विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

(ii) पशुपालन और डेयरी विभाग ने सेक्स-सॉर्टेड सीमन उत्पादन सुविधाएं स्थापित की हैं और 90% सटीकता तक बछड़ियों का उत्पादन करने के उद्देश्य से सेक्स-सॉर्टेड सीमन का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम कार्यान्वित किया है, जिससे दुधारू गोपशुओं की आबादी, नस्ल सुधार और किसानों की आय में वृद्धि होगी। सरकार ने किसानों को उचित दरों पर सेक्स-सॉर्टेड सीमन उपलब्ध कराने के लिए देशी रूप से विकसित सेक्स-सॉर्टेड सीमन तकनीक प्रारंभ की है, जिसमें देशी नस्लों का सेक्स-सॉर्टेड सीमन भी शामिल है।

(iii) गोपशु की गिर, साहीवाल, थारपारकर, कांकरेज, हरियाना, राठी, गाओलाओ और भैंसों की मुर्रा, मेहसाणा, जाफराबादी, पंढरपुरी, नीली रावी, बन्नी जैसी देशी नस्लों सहित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों के उत्पादन के लिए संतति परीक्षण और नस्ल चयन का कार्यान्वयन। कार्यक्रम के तहत उत्पादित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले देशी नस्लों के सांडों को सीमन उत्पादन के लिए सीमन केंद्रों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

(iv) इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) तकनीक का कार्यान्वयन: देशी नस्लों के उत्कृष्ट पशुओं के प्रजनन के लिए, विभाग ने 23 आईवीएफ प्रयोगशालाएँ स्थापित की हैं। एक ही पीढ़ी में बोवाइन पशुओं के आनुवंशिक उन्नयन में इस तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में लाम फार्म, गुंटूर और राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र, चिंतालादेवी, नेल्लोर में स्थित दो आईवीएफ प्रयोगशालाएं संचालित कर दी गई हैं। इसके अतिरिक्त, किसानों को उचित दरों पर तकनीक उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने देशी आईवीएफ मीडिया की शुरुआत की है।

(v) जीनोमिक चयन: उच्च आनुवंशिक गुणता (HGM) वाले पशुओं का चयन करने और गोपशुओं और भैंसों के आनुवंशिक सुधार में तेजी लाने के लिए, विभाग ने एकीकृत जीनोमिक चिप्स- देशी गोपशुओं के लिए गौ चिप और देशी भैंसों के लिए महिष चिप विकसित की हैं - जो विशेष रूप से देश में उच्च आनुवंशिक गुणता वाले पशुओं के जीनोमिक चयन की शुरुआत के लिए डिज़ाइन की गई हैं।

(vi) वैज्ञानिक और समग्र तरीके से गोपशुओं और भैंसों की देशी नस्लों के विकास और संरक्षण हेतु 16 गोकुल ग्रामों की स्थापना के लिए राज्यों को निधियां जारी की गई है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में प्रकाशम जिले के चदलवाड़ा में एक गोकुल ग्राम संचालित कर दिया गया है।

देशी नस्लों के जर्मप्लाज्म के भण्डार के रूप में दो राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र स्थापित किए गए हैं, एक दक्षिणी क्षेत्र के लिए चिंतलादेवी, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश और दूसरा उत्तरी क्षेत्र के लिए इटारसी, नर्मदापुरम, मध्य प्रदेश में।

वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक के लिए संशोधित पुनर्संरेखित राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत दोनों कार्यकलाप बंद कर दिए गए हैं।

(vii) पशुपालन और डेयरी विभाग, डोनर्स की पहचान करने और स्थान निर्धारण तथा देशी नस्लों सहित उत्कृष्ट से उत्कृष्टतम पशुओं को बढ़ावा देने के लिए करने राष्ट्रीय दूध रिकॉर्डिंग कार्यक्रम और सुरभि

चयन श्रंखला का कार्यान्वयन कर रहा है। सुरभि चयन श्रंखला के अंतर्गत अब तक आंध्र प्रदेश में देशी नस्लों के उत्कृष्ट पशुओं सहित 36329 पशुओं को रिकॉर्ड किया जा चुका है।

(viii) ग्रामीण भारत में सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों/बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (मैत्री) को किसानों के द्वार पर गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित और सुसज्जित किया गया है और अब तक 38736 सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों/मैत्री को प्रशिक्षित और सुसज्जित किया गया है, जिनमें आंध्र प्रदेश के 4746 मैत्री शामिल हैं।

(ix) नस्ल वृद्धि फार्म (BMF) की स्थापना के घटक के अंतर्गत विभाग ने आंध्र प्रदेश में संस्वीकृत 19 बीएमएफ सहित 132 नस्ल वृद्धि फार्मों को संस्वीकृति दी है। संशोधित आरजीएम के अंतर्गत यह घटक बंद कर दिया गया है।

(x) पशुपालन और डेयरी विभाग, देशी नस्लों के उत्कृष्ट पशुओं की पहचान, स्थान निर्धारण और प्रसार हेतु केंद्रीय पशु पंजीकरण योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। इस योजना के अंतर्गत, आंध्र प्रदेश के ओंगोल जिले में गोपशुओं की ओंगोल नस्ल के लिए केंद्रीय पशु पंजीकरण इकाई की स्थापना की गई है।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार का कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, केंद्र प्रायोजित योजना- राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन का कार्यान्वयन कर रहा है। अन्य घटकों/कार्यकलापों के अतिरिक्त, इस योजना में निम्नलिखित की परिकल्पना की गई है:

(i) एकीकृत कृषि-पशुपालन मॉडल के माध्यम से पशुधन (अधिमानतः स्थानीय नस्ल की गाय) को लोकप्रिय बनाना और इनपुट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए गोशालाओं के साथ संबंध विकसित करना, नस्ल सुधार के माध्यम से स्थानीय पशुधन (अधिमानतः स्थानीय नस्ल की गाय) की संख्या में वृद्धि करना, केंद्रीय पशु प्रजनन फार्मों/क्षेत्रीय चारा केंद्रों आदि पर प्राकृतिक खेती के मॉडल प्रदर्शन फार्मों का विकास करना।

(ii) प्राकृतिक खेती को सफलतापूर्वक अपनाने, पशु और पौधों पर आधारित प्राकृतिक खेती के इनपुट्स को तैयार करने के लिए पशुधन और पौधों तक पहुँच के लिए इस योजना में स्थानीय स्तर पर प्राकृतिक खेती के इनपुट्स के उत्पादन और आपूर्ति हेतु 10,000 आवश्यकता-आधारित जैव-इनपुट संसाधन केंद्र (BRCs) स्थापित करने की परिकल्पना की गई है।

(iii) इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित इच्छुक किसानों को प्राकृतिक खेती करने, अधिक किसानों को प्रशिक्षित करने, पशुधन (अधिमानतः स्थानीय नस्ल की गाय) के रखरखाव/प्राकृतिक खेती के इनपुट्स की तैयारी (मिश्रण और भंडारण कंटेनरों की खरीद सहित, आदि)/जैव-इनपुट संसाधन केंद्र से प्राकृतिक खेती के इनपुट्स की खरीद के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन उपलब्ध है।

***

अनुबंध-I

पिछले तीन वर्षों के दौरान लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का राज्यवार विवरण

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	गर्भाधान किए गए पशुओं की संख्या	किए गए कुल कृत्रिम गर्भाधान की संख्या	लाभान्वित किसानों की संख्या
आंध्र प्रदेश	4536707	9161296	1852683
अरुणाचल प्रदेश	1111	1604	527
असम	881055	1259764	749322
बिहार	2450143	3683407	1530448
छत्तीसगढ	915472	1406599	533649
गोवा	7786	14973	2254
गुजरात	2949352	5408465	1504439
हरियाणा	128519	254320	93434
हिमाचल प्रदेश	816600	1595552	566527
जम्मू और कश्मीर	1009162	2311126	719369
झारखंड	1522512	2277581	954973
कर्नाटक	4926425	11157784	2801705
लद्दाख	3505	5107	2914
मध्य प्रदेश	3407476	4559038	1936791
महाराष्ट्र	2814985	4330167	1728855
मणिपुर	9404	13093	6989
मेघालय	18583	41821	6276
मिजोरम	2687	5014	1105
नागालैंड	14015	23658	6287
ओडिशा	1741456	2625026	1065487
राजस्थान	2810270	4029253	1800791
सिक्किम	21290	29198	18020
तमिलनाडु	2642168	4763897	1094774
तेलंगाना	1236919	1898999	639899
त्रिपुरा	117013	177620	101219
उत्तर प्रदेश	9840771	16782344	5379493
उत्तरांचल	692563	1344087	469003
पश्चिम बंगाल	3738913	6386110	2280080
कुल	**4,92,56,862**	**8,55,46,903**	**2,78,47,313**